विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय
नीतू कुमारी ,वर्ग - चतुर्थ, विषय- हिंदी व्याकरण, दिनांक-21--04-2021.   एऩ.सी.आर.टी पर आधारित

सुप्रभात बच्चअॅ,

व्यंजन

व्यंजन स्वतंत्र नहीं होते। इन्हें बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है। इनकी संख्या तैंतीस है।

संयुक्त व्यंजन—दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन **संयुक्त व्यंजन** कहलाते हैं। दूसरे शब्दों में दो या दो से अधिक व्यंजनों के बीच स्वर न रहने से जब वे आपस में मिलाकर लिखे या बोले जाते हैं, तो वे **संयुक्त व्यंजन** कहलाते हैं। जैसे :

क् + ष = क्ष (भिक्षा, क्षमा)   त् + र = त्र (त्रिशूल, त्रिभुज)
ज् + ञ = ज्ञ (संज्ञा, विज्ञान)   श् + र = श्र (श्रमिक, विश्राम)

द्वित्व व्यंजन—दो समान या एक जैसे व्यंजनों से मिलकर बने व्यंजनों को **द्वित्व व्यंजन** कहते हैं। जैसे :

च् + च = च्च (कच्चा, बच्चा)   म् + म = म्म (चम्मच, अम्मा)
प् + प = प्प (थप्पड़, चप्पल)   ल् + ल = ल्ल (बिल्ली, गिल्ली)
द् + द = द्द (कद्दू, गद्दा)   त् + त = त्त (कुत्ता, पत्ता)
ज् + ज = ज्ज (लज्जा, सज्जा)   ट् + ट = ट्ट (मिट्टी, पट्टी)
क् + क = क्क (पक्का, धक्का)

संयुक्ताक्षर—दो अलग-अलग व्यंजनों के मिलने से बने अक्षर **संयुक्ताक्षर** कहलाते हैं। जैसे :

च् + छ = च्छ (स्वच्छ, अच्छा)   क् + य = क्य (क्यारी, क्योंकि)
प् + य = प्य (प्यारा, प्यास)   द् + य = द्य (विद्या, विद्यार्थी)
त् + य = त्य (त्योहार, त्याग)

'र' के विभिन्न प्रयोग

1. जब 'र' स्वर रहित होता है, तब 'र' आगे आनेवाले व्यंजन के ऊपर (र्) के रूप में लगाया जाता है। जैसे :

क + र् + म = कर्म   व + र् + षा = वर्षा
श + र् + म = शर्म   ध + र् + म = धर्म

बच्चअॅ, दिए गए अध्ययन -सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में साफ और सुंदर अक्षरअॅ में लिखे तथा समझने का प्रयास करें|